WIT AND HUMOUR, POETRY AND COUPLETS
FOURTH SESSION OF SIXTEENTH LOK SABHA
(23.02.2015 to 13.05.2015)

Sr. No.	Date	Subject	Name of Member/Minister	Poetry/Humour/Couplet/ Repartee
1.	06.02.2015	Constitution (122nd Amendment) Bill	Shri Arun Jaitley	Repartee
2.	25.02.2015	President's Address	Shri M. Venkaiah Naidu	Humour
3.	26.02.2015	President's Address	Shri Badruddin Ajmal	Couplets
4.	26.02.2015	President's Address	Shri Muzaffar Hussain Baig	Couplets

COUPLETS

While participating in the Debate on the Motion of Thanks on the President's Address on 26.02.2015, Shri Badruddin Ajmal recited:-

" ए मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी;
जो शहीद हुए हैं उनकी जरा याद करो कुर्बानी ।।"

" गुलिस्तान आशियां को लहू की जरूरत पड़ी;
सबसे पहले हमारी ही कर्दन कटी;
फिर भी कहते हैं हमसे ये अहले चमन,
ये चमन है हमारा तुम्हारा नहीं ।।"

" यूं तो कहते हो कि क्रिश्चियन भी हूं और मुसलमान भी हूं;
लेकिन मेरे भाई यह तो बताओं की क्या तु अच्छे इंसान भी हो ।"

On hearing this, there was thumping of desks from all sides of the House.

COUPLETS

While participating in the Discussion on the Motion of Thanks on the President's Address on 26.02.2015, Shri Muzaffar Hussain Baig recited:-

" कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी,
सदियों रहा है दुश्मन, दीरे जमाँ हमारा ।।"

" साहिल के बस करीब था,
जब शफ़ीना हुआ तबाह;
रेजों में बंट के रह गया, जो था वादा-ए-वफा,
समझा था सारी कौम ने जिसे जरिया निजात का;
मज़हब क्या यहीं है, बता मुझको मेरे खुदा ।।"

" कल तक जो मेरा दोस्त था,
क्योंकर मेरा दुश्मन बना;
हमसाया जो दस्त-ए-राज़ था,
क्योंकर मेरा कातिल बना ।।
खामद से बीबी खो गई,
भाई से उसकी बहन,
नामुसेखाना लुट गई,
बेवा बनी चौथी दुल्हन ।।"

" ये आज जो विराना है, कल ही था वो मेरा चमन,
कैसी ये आजादी मिली, खासूं को मिला तख्तो-ताज ।।"

" मजदूरों को वही दर्दे आस, बहकान को मायूसी मिली,
भोजन को महरूमी मिली, कैसी ये आज़ादी मिली ।।
पानी बंटे, खैरमन बंटे, एक खून की लकीर से दिल बंटे;
अरमान बंटे, वतन बंटा, इंसान बंटे, जमीन बंटी, आसमां बंटे ।।
अपने ही बेटों के दरम्यान इन मां के दो टुकड़े बंटे,
ये कैसी कुदरत है ए खुदा । ये कैसा है मज़हब, मुझ को बता ।।

" हिन्दोस्तां से पाकिस्तान चंद हरफ़ों के बन जाने से राहें तो बदल गयीं पर हकीकतें बदली नहीं,
फिर क्या वजह है कि हमारे दरम्यान कई पर्वतों के हैं फासलें, कई समुंदरों की नफरतें ।।
क्या नाम के बदलने से मसह हुई हमारी आत्मा,
क्या सब मसीहा मर गए; क्या मर गए सब महात्मा ।।"

" नानक कहां, कहां राम हैं, कहां हैं वो सूफी हस्तियां,
जिनकी इनायत की एक नज़र काफी थी जीने के लिए ।।

मानो उसे न मानो उसे, जानो उसे न जानो उसे,
ये नाम लो, वो नाम लो, हर दिल में रहता है खुदा ।।

आओ उसी का नाम लें, टूटे दिलों को जोड़ दें,
नफरतों की हर एक दीवार को मोहब्बतों से तोड़ दें;

मेरे वतन के दोस्तो उठो मायूसी छोड़ दो

बीते दिनों की याद में आंसू भरी फरियाद में कब तक जीऐंगे दोस्तों।।

रोना जिसे था, रो चुका; होना जो था, वो हो चुका,

कब खत्म होंगी गुलामियां? हो सफेद रंग की हुकूमतें या स्याह हो रंग की नफरतें,

गुलामियां हैं गुलामियां, क्या फर्क पड़ता है लाख को कफन सफेद हो या सियाह हो;

वक्त आ चुका है दोस्तों जैसे तब की गुलामी तोड़ दी अब तोड़े नफरत की बेड़ियां;

मेरे वतन के दोस्तों बीते दिनों की तल्खियां, रंजिशें और शिकायतें ।।"

" किसी कब्र में गाढ़ दें, या जला दें किसी घाट पर,

आगे बढ़े इस आस पर, इक नई सुबह आएगी, नया जो जीवन लाएगा,

हमारे आदर्शों की अज़मतें, हमारी मेहनतों की बरकतें ।।"

There was thumping of desks from all sides of the House.

CREATE AND DISTRIBUTE

While participating in the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address on 25.02.2015, Shri M. Venkaiah Naidu, the Hon'ble Minister of Urban Development, Minister of Housing and Urban Poverty Alleviation and Minister of Parliamentary Affairs narrated his 40 years experience in public life what he had learnt, namely, to produce wealth, to create wealth, to create development, and then to distribute development. Without creating wealth if you distribute wealth, it will not work. Telugu people say `*Panchalli, Panchalli*', which means `Distribute, distribute'. I say, `*Penchalli, penchalli*', which means 'Increase, increase' production. If you do `*Panchalli*' without '*Penchalli*', you will be left with '*Puncha*' which means loincloth. That is a reality.

There was thumping of desks from all sides of the House.

LUXURY TAX

While replying to the Constitution (122nd Amendment) Bill on 06.02.2015, Shri Arun Jaitley, Minister of Finance, Minister of Corporate Affairs and Minister of Information and Broadcasting of India while comparing the revenue earned from alcohol said that it is just a miniscule percentage as far as tobacco is concerned. On hearing this Prof Saugata Roy reacted that the Government in West Bengal charge Luxury Tax on tobacco.

Then Shri Jaitley in a lighter vein said: " In West Bengal; you charge Luxury Tax on tobacco in order to see that you give up smoking."

Dada, he further remarked; "For those like you who smoke excessively, should not indulge in this luxury. It is not beneficial for health. There is a Smokers' Room next to the Central Hall where Prof. Roy is the most frequent visitor that I see. So, do not indulge in this luxury, and I think that your Government is doing well to charge you for indulging in that luxury. "

On hearing this, there was laughter from all sides of the House